Lecture-1

By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Topic – Social change

Class – B.A. Degree -I (Hons, Paper-1)
Unit-10

Subject – Political Science

Date – 25 Apr. 2020

By Rahul Kumar Jha.

सामाजिक परिवर्तन (Social change) :-

सामाजिक परिवर्तन का आशय समाज के अंदर होने वाले आधारभूत परिवर्तनों से है। इस प्रक्रिया में समाज की संरचना एवं कार्यप्रणाली का एक नया रूप जन्म लेता है। इसके अंतर्गत मूलतः स्थिति, वर्ग, स्तर तथा व्यवहार के अनेकानेक प्रतिमान का निर्माण होता है। समाज गतिशील है और समाज के समय के साथ परिवर्तन अवश्यंभावी है।

आधुनिक संसार में प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ है तथा विभिन्न समाजों ने अपने तरीके से इन विकासों को समाहित किया है। इन परिवर्तनों की गति कभी तीव्र रही है तो कभी मंद। कभी-कभी ये परिवर्तन अति महत्वपूर्ण

रहे तो कभी मन्द बिल्कुल महत्वहीन। कुछ परिवर्तन आकस्मिक होते हैं, तो कुछ ऐसे होते हैं जिसकी भविष्यवाणी संभव पहले से होती है। कुछ से तालमेल बैठाना सहज होता है जबकि कुछ से कठिन। कुछ सामाजिक परिवर्तन स्पष्ट होता है तथा दृष्टिगत होता है जबकि कुछ को केवल अनुभव किया जा सकता है। कई बार इन परिवर्तनों को हमारी इच्छा के विरुद्ध हम पर थोपा जाता है। व्यवस्था के प्रति लगाव के कारण मानव मस्तिष्क इन परिवर्तनों के प्रति प्रारंभ में शंकालु रहता है परंतु धीरे! धीरे! उन्हें स्वीकार कर लेता है।

सामाजिक परिवर्तन के अंतर्गत हम मुख्य रूप से तीन तथ्यों का अध्ययन करते हैं-

- सामाजिक संरचना में परिवर्तन
- संस्कृति में परिवर्तन एवं
- परिवर्तन के कारक।

* मैकाइवर एवं पेज के अनुसार, सामाजिक संबंधों में आने वाले परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहते हैं।

डेविस के अनुसार, सामाजिक संगठन अर्थात समाज की संरचना एवं प्रकार्यों में होने वाले परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन है।

एच. एम० जॉनसन के अनुसार, सामाजिक परिवर्तन का अर्थ बुनियादी संरचना या बुनियादी संस्था में परिवर्तन से है।

इस प्रकार परिवर्तन एक व्यापक प्रक्रिया है। समाज के किसी भी क्षेत्र में विचलन को सामाजिक परिवर्तन कहा जा सकता है। विचलन का अर्थ यहाँ असामाजिक नहीं है। सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक, शैक्षिक, औद्योगिक आदि सभी क्षेत्रों में होने वाले किसी भी प्रकार के परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहा जा सकता है। यह परिवर्तन स्वयं प्रकृति द्वारा या मानव समाज द्वारा योजनाबद्ध रूप में हो सकता है।

CHAPTER CONTINUES...